Tally Prime-Basic Notes-01

- **What is Business** (व्यापार क्या है) :-

लाभ कमाने के उद्देश्य से जो भी कार्य किया जाता है। वह Business कहलाता है।

- **Business type** (व्यापार के प्रकार) :-

1- Manufacturing Business (उत्पादन करने वाली संस्थाये/उद्योग) :-

ऐसी संस्थाये जो कच्चा माल खरीदकर (Row Material) खरीदकर उसको पक्के माल मे (Finished goods) परिवर्तित करके फिर उसे बेंचती है।

Ex. Prism cement (सीमेंट बनाती हैं) यूनिवर्सल केबल लिमिटेड (तार बनाती हैं)

2- **ट्रेंर्डिंग बिज़नेस (Traiding) :-** ऐसा व्यापार जहां वस्तु का उत्पादन नही किया जाता है। बल्कि पहले से तैयार माल को खरीद करके उसे पुनः कुछ लाभ लेकर बेंचा जाता है।

<u>ट्रेडिंग बिज़नस निम्न प्रकार के होते हैं–</u>

(i)- Distributor (वितरक) **(ii).** C & F Agent (कैरीड एंड फोर्वार्डिंग एजेंट) **(iii)** -थोक व्यापारी (wholeseller)

(iv)- फुटकर व्यापारी (Retailer) **(v)-** एजेंसी

3. सेवा प्रदाता संस्थायें (Service Provider) :- ऐसी संस्थायें जो न तो किसी वस्तु का उत्पादन करती हैं, न किसी वस्तु का क्रय करती हैं। न ही किसी वस्तु का विकय करती हैं। बल्कि लाभ कमाने के लिए सेवायें प्रदान करती हैं।

Ex:-

Bank	College	Mponline .... etc.
LIC	Doctor	Toor & Travels
School	Advocate	

- <u>**Financial Year** (वित्तीय वर्ष):–</u>

1 अप्रैल से 31 मार्च तक के 12 महीनों की वह अवधि जो 1 अप्रैल से प्रारम्भ होकर 31 मार्च को समाप्त होती है। वह 12 महिने की अवधि (Account Period) या Financial Year कहलाती है।

• **Transaction** (लेनदेन):—

व्यापार में होने वाली सभी आर्थिक कियायें (Economic Activities) जो व्यापार के आय(Income) , व्यय (Expenses), सम्पत्तियो (Assets) , दायित्व (Liabilities) को प्रभावित करती है। सभी Transactions कहलाती है।

• Type of Transaction (लेनदेन के प्रकार):—

1. Priyanka ने Priyanka Mobil store नाम से से 1 अप्रैल 2024 को 2 लाख Cash लगाकर Business start किया।

2. 01/04/2024 को Priyanka ने Land lord को 20000 रू नगद Rent के लिए Security Deposit जमा किया।

3. 01/04/2024 को Priyanka ने April Month का Shop Rent 9000रू नगद दिया।

4. Priyanka ने 5000रू का Furniture नगद खरीदा।

5. Priyanka ने Light Connection के लेने के लिए 1000रू Security Deposit Electronic कम्पनी को दिया ।

6. Priyanka ने 2000 नगद खर्च करके Electric Fitting करायी।

7. 01/04/2024 को Priyanka ने दुकान का Registration कराया 1000रू खर्च हुआ।

8. Priyanka ने 02/04/2024 को 50,000रू नगद जमा करके SBI- Bank में Current Account खोला।

9. Priyanka ने 02/04/2024 को D.K. Furniture store से Counter आलमारी खरीदी जिसका भुगतान SBI के चेक नम्बर 12345 द्वारा किया गया।

10. 02/04/2917 को Priyanka ने 10,000रू नगद से माल खरीदा।

11. 01/05/2024 को उन्होने 200रू मालभाड़ा के नगद दिये।

12. 01/05/2024 को Travelling Expenses 1000रू नगद खर्च हुए।

13. प्रियंका ने 8000रू का माल 50 प्रतिशत लेकर ग्रहकों को नगद बेंचा अर्थात उन्होंने 8000रू को 12000 रू में बेंचा।

14. 02/05/2024 को Electric bill के 500रू नगद भुगतान किया।

15. उन्होंने ने स्टाफ को 2000रू सैलरी दी।

16. 02/05/2024 को Received book, bill book, pumplate आदि के चुन्नी पिंटिंग प्रेस को 1000रू का SBI का चेक से भुगतान किया। (Priting Expenses)I

17. 500रू विज्ञापन के लिए नगद दिये।

18. 200रू SBI Bank से ब्याज मिला (Interest मिला)

19. 500रू विविध व्यय के नगद चुकाये। (Sendary expenses)

20. 01/03/2025 को व्यापार के लिए Vandan Cooler से 5000रू का उधार खरीदा।

21. 01/03/2025 को 20,000 का उधार माल Dheeraj agancy से खरीदा।

22. 02/03/2025 को 10,000रू लागत का माल 20,000रू में Richa store से Rampur Baghelan को उधार बेचा।

23. 02/03/2025 को one mobile जिसकी लागत 2,000रू थी खराब निकला उसे Dheeraj agancy को वापस किया।

24. shop से 3,000रू का चार्जर चोरी हुआ।

Essential Terminology Of Basic Accounting

Accounting से संबंधित महत्वपूर्ण शब्दावली

1. व्यापार एवं पेशा **(Business & Profession**)

- **Business :-** लाभ कमाने के लिए जब वस्तुओं या सेवाओं का कय- विकय किया जाता है। तो उसे व्यापार कहते हैं।
- **Profession:-** जब व्यक्तिगत गुणों (के कारण सेवायें दी जाती हैं। और उनसे जो लाभ कमाया जाता है। उसे Profession कहते हैं।

2. स्वामी/ मालिक **(owner) :-**

व्यापार को Start करने के लिए जिस व्यक्ति द्वारा अपना निजी धन व्यापार में लगाया जाता है। तथा उसी व्यक्ति द्वारा लाभ व हानि वहन की जाती है। उसे व्यापार का मालिक या owner कहा जाता है।

3. पूंजी (Capital):-

व्यापार के मालिक द्वारा जो निजी धन व्यापार Start करने के लिए लगाया जाता है। उसे व्यापार की Capital या पूंजी कहा जाता है।

4. माल **(Goods):-**

व्यापार में जिन वस्तुओं का कय–विकय किया जाता है। या विकय करने के उद्येश्य से उनका उत्पादन किया जाता है। उसे goods कहते हैं। जैसेः– कपड़ा व्यापारी के लिए कपड़ा goods होगा, Medical store वाले के लिए दवाइयां goods होगा, Computer बेंचने वाले के लिए Cmputer goods होगा।

5. सम्पत्तियां **(Assets):-**

व्यापार को चलाने के लिए जो कीमती (costly) वस्तुयें व्यापार में लगाई जाती हैं। जिन्हें पुनः विकय नही किया जाता, बल्कि लम्बे समय तक इन वस्तुओं का Use व्यापार के संचालन के लिए किया जाता है। वे व्यापार की सम्पत्ति कहलाती है। Assets की अपनी एक वैल्यू (मूल्य) होतीं है। जिसे cashमें आसानी से परिवर्तित किया जा सकता है।

Type of Assets

(I) Fixed Assets (II) Current Assets

(स्थाई सम्पत्तिया) (चालू सम्पत्तियां)

1. Fixed Assets:-

व्यापार की ऐसी सम्पत्तियां जिनके मूल्य में बार–बार परिवर्तन नही होता है। व्यापार द्वारा इनका प्रयोग लम्बे समय के लिए किया जा सकता है।

जैसेः–

(A) Building & Premises (भवन सम्पत्तियां)

(B) Land’s & Plot (भूमि एवं प्लॉट)

(C) Plant & Machinery (प्लांण्ट एवं संयंत्र)

(D) Furniture & Fixture

(E) Electronic Equipment & Fitting

(F) Office Equipment (Computer, Printer, Scanner...etc)

(G) Fixed Deposit

1. Current Assets:-

ऐसी सम्पत्तियां जिनका मूल्य Fix नही होता है। बल्कि इनके मूल्य में बार–बार परिवर्तन होता है।

जैसेः–

(A) Cash in hand

(B) SBI Account (cash at Bank Business के नाम से)

(C) Stock in hand

(D) Sundary Debtor (विविध देनदार):–

व्यापार में ऐसे व्यक्ति या संस्थाये जिन्हें उधार माल बेंचा जाता है। जिनसे तुरंत कैश प्राप्त नही होता, बल्कि वे बाद में पेमेंट करते हैं।

- <u>व्यय (Expenses):-</u>

व्यापार को चलाने के लिए कुछ छोटे , बड़ें कई प्रकार के भुगतान करने पड़ते हैं। जिनको किये बिना व्यापार चलाया नही जा सकता है। उसे व्यय कहते हैं !

खर्चों को एकाउंटिंग में Direct Expenses और Indirect Expenses दो Category रखा गया है !

Direct Expenses (प्रत्यक्ष व्यय) :- ऐसे व्यय जो माल के खरीदने एव माल के प्रोडक्शन से सम्बंधित होते हैं ! जैसेः– Carreige Inward , Frieght, Royalty,All Factory Expenses

Indirect Expenses (अप्रत्यक्ष व्यय) :- ऐसे व्यय जो व्यापार के संचालन एवं विक्रय से सम्बंधित होते हैं उन्हें Indirect Expenses कहते हैं !

जैसः–

(i) Electronic bill का भुगतान करना

(ii) Servant salary का भुगतान करना

(iii) Travelling Expenses

(iv) Repair & Maintenance का भुगतान करना

(v) Printing & stationary का भुगतान किया

(vi) Commission दिया

(vii) Bank charge लगे

(viii) Loss by theft

(ix) Advertisement के लिए

(x) Discount Allowed दिया

- **आय (Income):-**

व्यापार के संचालन से जो नगद प्राप्त होता है या प्राप्य है । उसे Income (आय) कहते हैं। किसी भी व्यापार के Income होती है। वह दो प्रकार की सकती है।

(i) Direct Income (प्रत्यक्ष आय) :-

ऐसी Income जो व्यापार की Main Income है अर्थात इस Income को कमाने के लिए व्यापार ही स्थापित किया गया है।

जैसेः–

Medical store द्वारा दवाइयां बेंचना

Birla Factory द्वारा Cement बेंचना

Doctor द्वारा Consulting fees

(ii) Indirect income (अप्रत्यक्ष आय)

व्यापार की ऐसी आय जो उस व्यापार की Direct Income नही बल्कि अन्य Source से कमाई गई आय है, जो व्यापार की Main source income नही हैं

जैसेः– Medical store को Bank से ब्याज मिला

- **Liability or Liabilities** (दायित्व):–

व्यापार के लिए जो Assets, Expenses, services हमने उधार प्राप्त कर ली हैं **लेकिन** उसका भुगतान करना अभी बाकी है। उसे व्यापार की Liabilities कहते हैं।

- **Sundary Creditor** (विविध लेनदार):–

ऐसी संस्थाये या व्यक्ति जिनसे उधार good's (Credit माल) या उधार Assets खरीदी गई हो जिनका भुगतान बाद में किया जायेगा।

दायित्व दो प्रकार की होती है–

(i) Internal Liability (व्यापार के अन्दर के दायित्व)

जैसेः– पूंजी Capital

Reserve surplus

Reserve for Provision

(ii) **External Liability**:- व्यापार के ऐसे दायित्व जो व्यापार के बाहर के व्यक्तियों या संस्थाओं को चुकाने हैं।

जसेः– Bank loan

Sundary Creditor

Out standing expenses

माल (Goods) :- ऐसी वस्तुएं जो में पुन: बेचने के लिए खरीदी जाती हैं उसे माल कहते हैं जब Goods को खरीदते हैं तो उसे **Purchase** के रूप में लिखते हैं और जब goods को बेचते हैं तो उसे **Sales** लिखते हैं

रहतिया (Stock) :- जो अनबिका माल (goods) 1 अप्रैल को व्यापार में होता है उसे ओपनिंग स्टॉक कहते हैं और बिना बिका हुआ जो माल 31 March को बचा रहता है उसे Closing Stock कहते हैं !

Tally prime

- **What is tally टैली क्या है**

Tally एक Accounting Software है। जिसमें किसी Business के फाइनेंसियल इयर **(वित्तीय वर्ष) के लेन देनों को एक** systamatic **तरीके से** रिकॉर्ड **करके उस व्यापार की महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे–** लाभ /हानि(Profit & Loss) आय (Income) , व्यय (Expenses) तथा सम्पतियों और दायित्वों (Assets andLiabilties) का पता लगाया जाता है ! साथ ही एकाउंटिंग , इन्वेंटरी, टैक्सेशन तथा मैनेजमेंट से सम्बंधित अन्य महत्त्व पूर्ण रिपोर्ट भी आसानी से प्राप्त की जाती है !

- Tally Prime **Tally** का **सबसे** Latest Version है ! Tally के कई Version में काम होता आ रहा है। Tally के पुराने Version निम्न हैं–

  (i) Tally4.5

  (ii) Tally 5.4

  (iii) Tally 6.3

  (iv) Tally 7.2

  (v) Tally 8.1

  (vi) Tally 9.0

  (vii) Tall ERP9

  (viii) Tally prime (Latest Version)

- **Tally Software** दो प्रकार के होते हैं–

(i) **Educational type:-** Tally के educational software में केवल प्रत्येक माह की एक या दो date ही change होती है। Tally के educational software का use पढ़ाने के लिए किया जाता है।

(ii) **Professional type:-** Tally का Professional software काम करने के लिए प्रयोग किया जाता है। educational और Professional version में केवल date change करने का अंतर है। बाकि सब वही है। Tally के Professional version में सभी date change कर सकते हैं।

Gateway of tally

Gateway Tally टैली का पहला page होता है। इसी पेज में सारे मीनू होते हैं।

Master's

Vouchers

Import or utility

Report होते हैं।

- टैली से बाहर आना :- Tally के software को बन्द करने के लिए gateway of Tally में आकर ESc बटन प्रेस करके Enter करेंगे।

- टैली में कंपनी बनाना :- किसी भी Business का Tally के software में account maintain (हिसाब किताब) करने के लिए उस Business के नाम से एक कम्पनी Create करनी पड़ती है। Tally create करने के लिए Gateway of tally page में Alt+F1 Press करेंगे, एक नई window company info. की खुलेगी।

<u>Company info.</u>

Select Company

Login as Remote user

Create Company

Backup

Restore

Quit

- **Select Company:-** Tally में पहले से बनी हुई कम्पनी को Select करने के लिए इसका Use किया जाता है। यदि Tally के software में कम्पनी पहले से बनी होगी, तो कम्पनी की लिस्ट दिखाई देगी, यदि कम्पनी न बनी होगी तो No disk दिखाई देगा।

- **Create Company:-** Tally में नई कम्पनी बनाने के लिए Create company

में क्लिक करेंगे तो, कम्पनी की नई window open होगी।

Company Creation स्क्रीन में निम्न जानकारी भरी जाती है :-

Directory : C\user's\public\tally.erp-9\data

Name : Priyanka mobile store (M & D) (यहां पर उस कम्पनी का नाम लिखते हैं। जिनका **account maintain** करते हैं या करना है।)

Primary Mailing Detail's : : Priyanka mobile store

Address : Bus Stand

Satna (M.P.)

Country : India

State : Madhya Pradesh

Pin code : 485001

Telephone no. : 07672-422214

Email : sakshicomputer.dec2013@gmail.com

Company Detail's

Currency Symbol : Rs.

Financial Year : 01-04-2024

Book Beginning From : 01-04-2024

(Ctrl+A press करके save कर लेते हैं।)

- **बनी हुई कम्पनी को Delet करना :-** Got-------Alt+F3---------Alter

Alt+D key press करेंगे। और दो बार Enter key press करेंगे तो Company delete हो जायेगी।

- **Company Creation page में कोई Information बदलने क लिए :-**

Gateway of Tally के पेज में alt+F3 press करेंगे और alter menu में enter key press करेंगे। और कम्पनी select करेंगे। फिर enter key press करेंगे। और बनी हुई Company की Information change कर सकते हैं।

- Tally में Group create करना, **Group Display** करना और पहले से बने हुए **group** को **alter** या **change** करना।:- **What is tally group** (टैली ग्रुप क्या है):–

किसी भी Business के Information जैसेः– Assets (सम्पतियां), Liability (दायित्व), Expenses (व्यय या खर्च), Income (आय) को tally म ˙28 group में विभाजित किया गया है जो इसप्रकार है।

(Got---Master----Group) सबसे पहले Gatway of tally का page open करेगें उसके बाद सबसे पहले master'sमें फिर

Master
↓
Group
↓
Alter
↓
All Item

1	Capital Account	Primary
2	Loan's(Liability)	Primary
3	Current Liabilities	Primary
4	Fixed Assets	Primary
5	Investment's	Primary
6	Current Assects	Primary

7	Branch/ Division	Primary
8	Misc Expenses (Asscts)	Primary
9	Suspences A/c	Primary
10	Sales Account	Primary
11	Purchase Account	Primary
12	Direct Income	Primary
13	Direct Expences	Primary
14	InDirect Income	Primary
15	InDirect Expences	Primary
16	Reserves & Surplus	Capital Account
17	Bank OD A/C	Loans (Liability)
18	Secured Loan's	Loans (Liability)
19	Unsecured Loan's	Loans (Liability)
20	Duties & Taxes	Current Liabilities
21	provisions	Current Liabilities
22	Sundary Creditor's	Current Liabilities
23	Stock In Hand	Current Liabilities
24	Deposits Assets	Current Liabilities
25	Loan & Advances(Assets)	Current Liabilities
26	Sundary Debtor's	Current Liabilities
27	Cash In Hand	Current Assets
28	Bank Account	Current Assets

• Tally में Ledger Create करना :-

Tally में Ledger Create करना, बने हुए Ledger को देखना तथा पहले से बने Ledger को सुधार करना या उसे Delete करना :-

(Got--Master----Ledgder-----Create

Create :- नये Ledger को बनाने Create option use करते हैं।

Alter:- बने हुए Ledger को देखने के लिए !

↓

Alter :- बने हुए Ledger को देखने ,सुधारने और Delete करने के लिए इसका प्रयोग करते हैं !

• Chart of Account:-

Liabilities (दायित्व) से सम्बंधित Ledger :-

S N.	Group Head in Tally	Ledger Name
1	Capital Account	Propritor,Capital,Partner, Capital , Drawing, House Hold, Expenses ,Self Insurance Policy
2	Reserve And Surplus	General Reserve Capital , Reserve , Investment , Allowance Reserve
3	Secured Loan's	Bank Loan Against , Machinery , Premises , Equipment , FdR, Bank car loan any other which is secured by Assets
4	Bank OD A/C Over Draft	Bank over Draft
5	Bank occ Limit over cash credit limit	Bank CC Limit
6	Provision	Gratuity Provision , Income tax provision Audit Fees Provision Legal Charge provision

7	Duties and Taxes	IGCT/CGST/SGST, TDs/Tcs , Custom Duty
8	Sundry Creditors	Supplier's Name(व्यक्ति का नाम या संस्था का नाम) जिससे हम लोग उधार माल या सेवाए लेते है।
9	Current liabilities	Salary , Wages , Bonus , payble / out Standing Interest , Tax Payable , All out Standing Expenses
10	Branch / Division	Different Location Branch Is Coming this Head

- आइये सबसे पहले **Liabilities** **(दायित्व) से सम्बंधित Ledger को Tally.erp9 में Cerate करना सीखेंगे**

Got--Master----Ledgder-----Create

Ledger Create

Name : Capital Account Alias :	Total open Balance
Under : Capital Account	Mailing Detail Name : Address : State : Pin code : Tax information Pan/ I7 No : Sales Tax no :

Opening Balance (on 1 April - 2024)

(Save)

Ledger ---- Alter**:-**

↓

पहले से बने हुए Ledger को देखने के लिए इस Option का use करते है।

Note:- Cash account/profit & loss account पहले से बने होते हैं।

- **Ledger ----Alter:-**

Gateway of Tally
↓ Enter Key
Ledger's
↓ Enter key
Ledger Alteration

Ledger Delete :- ((Got---Master----Ledgder-----Alter

(Alt+D) key press (Yes)

Two time enter key press

- ***आइये fixed Assets से सम्बन्धित ledgers को Tally.erp9 में create करना सीखते हैं***

(Got----Master----Ledgder-----MUltiple Ledger--------Alter :

----- all Items

NAME OF LEDGER	**UNDER GROUP**	**OPENING BALANCE** **Dr. / Cr.**
AIRCONDITION ALL TYPE VEHICLE BUILDING CC TV CAMERA	FIXED ASSET'S FIXED ASSET'S FIXED ASSET'S FIXED ASSET'S	

ELECTRIC FITTING	FIXED ASSET'S	
PERMANENT		
FACTORY MAINTENANCE	FIXED ASSET'S	
FIRE CONTROL EQUIPMENT	FIXED ASSET'S	
FURNITURE	FIXED ASSET'S	
GENERATOR	FIXED ASSET'S	
JEWELLERY ORNAMENT	FIXED ASSET'S	
LAND	FIXED ASSET'S	
LABORATORY EQUIPMENT	FIXED ASSET'S	
MACHINERY	FIXED ASSET'S	
MATERIAL MOVEMENT EQUIPMENT	FIXED ASSET'S	
MOBILES	FIXED ASSET'S	
OFFICE PREMISES	FIXED ASSET'S	
PHOTOCOPY MACHINE	FIXED ASSET'S	
POLUTION CONTROL EQUIPMENT	FIXED ASSET'S	
PRINTER FAX MACHINE	FIXED ASSET'S	
TOLL KANTA	FIXED ASSET'S	
(WEIGHING MACHINE)		
TOOL'S	FIXED ASSET'S	
TRANSFORMER	FIXED ASSET'S	
FACTORY STORE EQUIPMENT	FIXED ASSET'S	
INVERTOR	FIXED ASSET'S	

ALL ASSET'S WHICH USE IN MORE THAN ONE YEAR	FIXED ASSET'S	

S.NO	TALLY GROUP	LEDGER NAME
1	INVESTMENT	"share's", "Debenture", "bond Govt Securities", "Provident Fund"(PF), "LIC Policy", "FDR" Infrastructure Bond Mutual Fund.
2	BANK ACCOUNT	Bank current account & saving account.
3	CASH IN HAND	Cash account , petty cash account (छोटे–छोटे खर्च के लिए)
4	STOCK IN HAND	**Stock** -- (**Manufacture** के लिए Stock) :- Raw Material (कच्चा माल) WIP (work in Progress) Finished good's Packing Material Fuel store Spare parts

5	CURRENT ASSET'S	Interest accrued on deposit Prepaid Expenses Advance income tax
6	DEPOSIT ASSET'S	Deposit with electricity company Deposit with Municipality Deposit for rent Tentes Deposit Deposit with telephone company
7	LOAN & ADVANCES (ASSET'S)	Advance salary in staff Advance to supplier Advance for expenses
8	MISC. (EXPENSES) (ASSET'S	Pre-corporating expenses

- ***<u>आइये income (आय) से सम्बन्धित Ledgers को Tally Prime में create करना सीखते हैं</u>***

(Got-----Master----Ledgder-- -----Alter :

----- all Items

S.No	HEAD IN TALLY GROUP	LEDGER GROUP
1	Sales (विकय)	(a) sales account (b) sales return
2	Direct income (प्रत्यक्ष आय)	(i) job work income (ii) Consultancy fees (**For Individual (Human)**)

		(i) Salary for employer (ii) Bonus allowance received (iii) Commission Brokerage Received (iv) Share of profit from business (v)House rent income (vi) Dividend Received (vii) Interest investment (viii) Interest received from loan (ix) Profit on sales (x) Speculative income
3	Indirect Income (अप्रत्यक्ष आय)	**As a trader (व्यापारी) :_** (i) Sales tax refund (ii) Claim refund received (iii) Discount purchase (iv) Commission brokerage received (v)Interest income (vi) Income investment (vii) Profit on sales of asset's (viii) Other misc. Income (ix) Sales of scrape **Manufacture income(निर्माता की आय):-** (i) Excise duty Drawback (ii) Moderate claim's

		(iii) Claim received (iv) Discount of purchase of good's (v)Commission brokerage (vi) Sales of scrape

- *आइये* **Expenses** (व्यय *से सम्बन्धित ledgers को Tally.erp9 में create करना सीखते हैं*

(Got----Master----Ledgder--------Alter :

----- **All Items**

S.No	Group head in tally	Ledger name
1	Purchase **(कय खरीद)** (direct expenses)	Purchase account Purchase return
2	Direct expenses **(प्रत्यक्ष व्यय)**	**Trader (व्यापारी) :-** (i) Packing material expenses (ii) Packing expenses (iii) Commission paid on purchase (iv) Freight on purchase (v)Handling expenses purchase (vi) Labour & wages **Manufactured direct expenses :-** (i) Fuel consumed expenses (ii) Consumable store's (iii) All expenses related manufacturing **कच्चा माल खरीदने** एवं Production करने में **जो व्यय होते हैं। वो सब** Direct expenses कहलाते हैं (**जो**

		Factory के अन्दर होते हैं वो सब Direct expenses हैं I)
3	Indirect expenses (अप्रत्यक्ष व्यय)	(i) Salary & Bonus paid (ii) Staff welfare expenses (iii) Freight on sales (iv) Bad debt's (v) Depreciation (vi) Incentive to staff (vii) Printing & stationery (viii) Travelling expenses (ix) Telephone bill (x) Electric bill (xi) Internet bill (xii) Rent paid (xiii) Legal expenses paid (xiv) Repairing expenses (xv) Car fuel expenses (xvi) Consultancy fees (xvii) Loss by fire theft (xviii) Discount allowed (xix) Charity donation (xx) Advertisement expenses (xxi) Sales promotion expenses

		(xxii) Entertainment expense (xxiii) Interest loan (xxiv) Inspection fees (xxv) Sundry expenses

---

- **<u>Accounting (लेखांकन):–</u>**Tally में Accounting करने के लिए Accounting system को समझना आवश्यक है। Accounting system के द्वारा ही tally में voucher entry की जाती है।

- **<u>Accounting करने का double entry system:-</u>** वर्तमान में Accounting करने का जो system चल रहा है। उसे double entry system (दोहरा लेखा प्रणाली) कहते हैं।

Double entry system accounting का ऐसा system जिसमें एक लेन–देन का दो जगह प्रभाव पड़ता है। इस system में एक पक्ष Debit (खर्च में लिखना) तथा दूसरा पक्ष Credit (खाते में जमा करना) होता है।

Double entry system के तहत Accounting करने निम्नलिखित process होती है। Double entry system के अन्तर्गत सबसे पहले

Journal entry (नकल बही)
↓
Ledger book (बही खाता)
↓
Trial balance (तलपट)
↓
Final account (अन्तिम खाते)

Trading & profit & loss तथा Balance sheet

Profit & loss → Income, Expenses

Balance sheet → Asset's, Liabilities

1. ***Journal Entry:-*** Journal Entry accounting करने की पहली Process है। इसके अन्तर्गत एक को पक्ष Debit तथा दूसरे पक्षको Credit किया जाता है। Journal entry में Ledger या account (खाते) को debit तथा credit करने का Rule होता है।

- **Journal entry** के **debit** या **credit rule** को समझने से पहले हमें खातों के प्रकार **(Types of account)** को समझना जरूरी है।

(i) <u>व्यक्तिगत खाता **(Personal account):-**</u> इसके अन्तर्गत व्यापार द्वारा किसी व्यक्ति या संस्था के खाते Maintain किये जाते हैं। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित खाते व्यापारी द्वारा बनाये जाते हैं–

जैसे :- Ram's account

Mohan's account

SBI account

Mohit store account

(ii) <u>वस्तुगत खाता **(real account):-**</u> इसके अन्तर्गत व्यापार में जिन वस्तुओं का लेन–देन किया जाता है। उनके खाते बनाये जाते हैं।

जैसेः– cash account, petty cash account, purchase account, purchase return account, sales account, sales return account, furniture account, machinery account

(iii) <u>नाम मात्र का खाता **(Nominal account):-**</u> इसके अन्तर्गत व्यापारी द्वारा समस्त आय (Income) एवं लाभ (Profit) और समस्त व्यय (Expenses) तथा हानि (Loss) के खाते Maintain किये जाते हैं।

- <u>**Personal account को credit/debit करने का नियम :-**</u>

Rule :- **Debit the Receiver** (पाने वाले को **Dr.** करो)

Credit the Giver (देने वाले को **Cr.** करो)

Exp.

(i) **Super computer से 20,000 का उधार कम्प्यूटर खरीदा। इसे लेन–देन में** Super Computer के account को Credit (Cr.) **किया जायेगा।** क्योंकि वो देने वाला है !

(ii) Ram को 10,000रू नगद भुगतान किया इस लेन–देन में Ram पाने वाला है। इसलिए यह Debit(Dr.) हो जायेगा।

(iii) हीरा टेलीकॉम से 15,000रू का माल खरीदा इस लेन–देन में हीरा टेलीकॉम को Cr. किया जायेगा। क्योंकि ये देने वाली संस्था है।

- **वस्तुगत खाता (Real account)(Dr./Cr. rule) :-**

Exp.

Dr. Debit what's come in (जो व्यापार में आता है। उसे **Dr.** करो)

Cr. Credit's what's goes out (जो व्यापार में आता है। उसे **Dr.** करो)

Ex.

(i) SBI Bank से 10,000रू नगद निकले इस Transaction में cash व्यापार में आ रही है। इस लिए cash a/c (रोकड़ खाता) Debit करेंगे।

(ii) हीरा टेलीकॉम को 50,000रू नगद भुगतान किया इस लेन–देन में cash व्यापार से जा रही है इसलिए cash a/c credit होगा।

(iii) माही एजेंसी से उधार माल खरीदा इसे लेन–देन में good's व्यापार में आ रहा हैं। इस लिए purchase a/c (good's) debit करेंगे।

(iv) 7,000रू नगद माल बेंचा इसे लेन–देन में cash व्यपार में आ रही है। इस लिए उसे Debit करेंगे। चूंकि इसी लेन–देन में माल विक्री के रूप से व्यापार से जा रहा है। इसलिए sales a/c Credit करेंगे।

- **नाम मात्र का खाता (Nominal account)Dr./Cr. Rules :-**

Debit(Dr.) all expenses & Losses (व्यापार की समस्त व्यय एवं हानियों को **Dr** करो।)

Credit (Cr.) all income & Gains (व्यापार की समस्त आय एवं लाभ को **Cr.** करो।)

Ex:-

(i) 1,000रू बिजली का बिल नगद भुगतान किया इस लेन–देन में Electric bill एक व्यय है। इसलिए electric bill a/c को Debit करेंगे।

(ii) 500रू दुकान से चोरी हो गया। चूंकि यह व्यापार के लिए loss है। इसलिए loss by fire a/c debit करेंगे।

(iii) 700रू का Commission नगद मिला इस लेन–देन में Commission a/c को credit करेंगे !

- **निम्नलिखित लेनदेनों की मैन्युअल Journal Entry कीजिये एवं tally Prime में voucher Entry भी कीजिये और सभी महत्वपूर्ण रिपोर्ट तैयार कीजिये !**

1. Priyanka ने Priyanka Mobil store नाम से से 1 अप्रैल 2024 को 2 लाख Cash लगाकर Business start किया।

2. 01/04/2024 को Priyanka ने Land lord को 20000 रू नगद Rent के लिए Security Deposit जमा किया।

3. 01/04/2024 को Priyanka ने April Month का Shop Rent 9000रू नगद दिया।

4. Priyanka ने 5000रू का Furniture नगद खरीदा।

5. Priyanka ने 02/04/2024 को 50,000रू नगद जमा करके SBI- Bank में Current Account खोला।

6. Priyanka ने 02/04/2024 को D.K. Furniture store से Counter आलमारी खरीदी जिसका भुगतान SBI के चेक नम्बर 12345 द्वारा किया गया।

7. 02/04/2917 को Priyanka ने 10,000रू नगद से माल खरीदा।

8. 01/05/2024 को उन्होने 200रू मालभाड़ा के नगद दिये।

9. 01/05/2024 को Travelling Expenses 1000रू नगद खर्च हुए।

10. प्रियंका ने 8000रू का माल 50 प्रतिशत लेकर ग्रहकों को नगद बेंचा अर्थात उन्होंने 8000रू को 12000 रू में बेंचा।

11. 02/05/2024 को Electric bill के 500रू नगद भुगतान किया।

12. उन्होंने ने स्टाफ को 2000रू सैलरी दी।

13. 02/05/2024 को Received book, bill book, pumplate आदि के चुन्नी प्रिंटिंग प्रेस को 1000रू का SBI का चेक से भुगतान किया। (Priting Expenses)l

14. 500रू विज्ञापन के लिए नगद दिये।

15. 200रू SBI Bank से ब्याज मिला (Interest मिला)

16. 500रू विविध व्यय के नगद चुकाये। (Sendary expenses)

17. 01/03/2025 को व्यापार के लिए Vandan Cooler से 5000रू का उधार खरीदा।

18. 01/03/2025 को 20,000 का उधार माल Dheeraj agancy से खरीदा।

19. 02/03/2025 को 10,000रू लागत का माल 20,000रू में Richa store से Rampur Baghelan को उधार बेचा।

20. 02/03/2025 को one mobile जिसकी लागत 2,000रू थी खराब निकला उसे Dheeraj agancy को वापस किया।

21. 02/03/2025 को shop से 3,000रू का चार्जर चोरी हुआ।

Journal Entry in the books of Priyanka Mobil Store satna (m.p.):-

DATE	PARTICULAR	LADGER FALIO	AMOUNT DR.	AMOUNT CR
2024 April -1	Cash a/c Dr To Capital account **F6(Receipt)** **(Business Started with cash)**		200000	200000
2024 April -1	Security Deposit for rent account Dr To Cash a/c **F5(Payment)**		20,000	20,000

	(Security given to Land lord for Building rent)			
2024 April -1	Shop rent a/c Dr To Cash a/c **F5(Payment)** **(Paid for monthly rent in cash)**		9,000	9,000

2024 April -2	SBI a/c Dr. To Cash a/c **F4(Contra)** **(Open current Account in sbi with Cash)**		50,000	50,000
2024 April -2	Furniture and fitting account Dr. To SBI a/c **F5(Payment)** **(Asset's purchase & paid by sbi cheque no. 12345)**		10,000	10,000
2024 May -1	Purchase a/c Dr To Cash a/c **(Cash purchase)** **F9(Purchase)**		10,000	10,000
2024 May -1	Carriage inward/ Freight Dr To Cash a/c **F5(Payment)** **(Paid for carriage on purchase)**		200	200
2024 May -1	Travelling expenses Dr To Cash a/c **F5(Payment)** **(Paid for travelling Expenses)**		1,000	1,000
2024 May -1	Cash a/c Dr To Sales a/c **F5(Payment)** **(Cash sales on 50% profit)**		12,000	12,000
2024 May -2	Electric bill a/c Dr To Cash a/c **F5(Payment)** **(Paid for electric bill in cash)**		500	500

2024 May -2	Salary a/c Dr To Cash a/c **(Paid for salary in cash)** F5(Payment)		2,000	 2,000
2024 May -2	Printing and stationary a/c Dr To SBI a/c F5(Payment) **(Paid to printing for Sbi cheque no.12346)**		1,000	 1,000
2024 May -2	Advertisement a/c Dr To Cash a/c F5(Payment) **(Paid for advertisement)**		500	 500
2024 May -2	SBI a/c Dr To Interest Received a/c F6(Receipt) (Interest income received with SBI)		200	 200
2024 May -2	Sundry Expenses a/c Dr To Cash a/c F5(Payment) Paid for sundry expenses		500	 500
2024 March-1	Cooler's a/c Dr To Vandan cooler a/c **(Credit asset's purchased on credit)** F7(Journal)		5,000	 5,000
2024 March-1	Purchase a/c Dr To Dheeresh agency F9(Purchase) **(Credit purchase)**		20,000	 20,000
2024 March-2	Rich store a/c Dr To Sales a/c F8(Sales) **(Credit sales) .**		20,000	 20,000
2024 March-2	Dheeresh agency a/c Dr To Purchase return F9(Purchase)		2,000	

	(Purchase return to Dheeresh agency)			2,000
2024 March-2	Loss by theft a/c Dr To Purchase a/c **F7(Journal)** **(Charger theft by from shop)**		300	300

उपरोक्त लेन-देनों की **Tally** में **voucher Entry** करने के लिए सबसे पहले **Journal entry** में **use** किये गए **L edger** को **Priyanka Mobile store** की **company** में **create** करेंगे,

Tally में Ledger Create करने के लिए :-

Gateway of Tally

↓

Ledger

↓

Create

S.No.	**Ledger**	**Under (Tally Group)**	**Opening (B) (Cr/Dr)**
1	Cash a/c	Cash in hand	Dr
2	Capital a/c	Capital	Cr
3	Security Deposit For rent	Deposit Asset's	Dr
4	Furniture & Fitting	Fixed Asset's	Dr
6	Shop Rent	Indirect Expenses	Dr
8	SBI A/C	Bank	Dr
9	Purchase A/C	Purchase	Dr
10	Carrier in ward	Direct expenses	Dr
11	Travelling expenses	Indirect expenses	Dr
12	Electric bill	Indirect expenses	Dr

13	Salary a/c	Indirect expenses	Dr
14	Printing & Stationary	Indirect expenses	Dr
15	Advertisement expenses	Indirect expenses	Dr
16	Sundry expenses	Indirect expenses	Dr
17	Cooler a/c	Fixed asset's	Dr
18	Vandan cooler store	Sundry creditor	Cr
19	Dheeresh agency	Sundry creditor	Cr
20	Richa mobile store	Sundry Debtor	Dr
21	Loss by theft	Indirect expenses	Dr
22	Purchasr Return	Purchase	Cr
23	Sales	Sales	Cr.

Ledger बनाने के बाद ctrl+A key pres करके save कर लेते हैं।

इसके बाद बने हुए ledger को देखने के लिए सबसे पहले

Gateway of Tally

↓

Account information

↓

Ledger

↓

↓

Alter

Tally में Ledger create करने के बाद हम Priyanka mobile store के लेन–देनो की Journal entry को इस प्रकार से Feed / Post करेंगे !:-

- सबसे पहले Gateway of Tally में जाकर accounting voucher में enter बटन press करेंगे तो एक नयी Screen display होती है। उसके बाद F12 Key Press करेगे तो एक नयी Window open होगी

  - Use single entry mode for pymt/ Rcpt/contra = No
  - Use Cr/Dr Instead of to/by during entry = yes

  इसके बाद Ctrl +A Key Press करके save कर लेते है।

- Tally में Voucher entry or Journal entry Feed करने के लिए निम्न लिखित accounting vouchers type को समझना जरूरी है। Tally में व्यापार के अलग–अलग लेन देनो को Record करने के लिए अलग–अलग voucher type होते है। जो इस प्रकार है–

F4 (Contra) :- इसमें bank से सम्बधित उन लेन–देन की Journal entry की जाएगी जिसमे Cash account एवं Bank account एक साथ प्रभावित होते है।

जैसे :- 01/-04/2024 को 10,000रू SBI Bank में नगद जमा करके एक current account खोला

SBI a/c Dr 10,000

To Cash a/c 10,000

(Open Current account)

(2) :– 01/-04/2024 को 5000 रू नगद SBI bank से व्यापार के लिए निकाले

Cash a/c Dr 5000

To SBI a/c 5000

(Withdrawal cash from SBI a/c)

ध्यान में रखने वाली बातें :–

- Alt+C से Direct नया Ledger- voucher screen में ही बनाया जा सकता है।
- कीबोर्ड Page up button से उसी date की Voucher entry देखने के लिए प्रयोग किया जाता है !
- Petty cash भी एक प्रकार का cash a/c होता है। जिसमें व्यापार से संबंधित छोटे–छोटे खर्च होते हैं।
- Tally में Petty cash का Group cash in hand ही होता है
- F4(Contra) voucher में Bank से पैसा निकालना और Bank से पैसा जमा करने के साथ–साथ bank to bank एवं cash to petty cash से संबंधित लेन–देन भी Record किये जाते हैं।

- **F5 (Payment) :-**

ऐसे लेन–देन जिसमें cash या bank द्वारा भुगतान किया जाता है।

- Examples :-

(1) – Mr Amit को 01–04–2024 को 5000रू का नगद भुगतान किया।

Mr. Amit a/c Dr 5000

To Cash a/c 5000

(Paid to creditor)

---

(2) – 01-04-2024 को 10,000रू की Machinery नगद खरीदी

Machinery a/c Dr. 10,000

To Cash a/c 10,000

(Paid for fixed assets)

(3) – 01-04-2024 को electric bill के लिए 2000रू नगद चुकाये।

Electric bill a/c dr 2000

To Cash a/c 2000

(Paid for expenses)

----

(4) – 01-04-2024 Printing & Stationary के लिए petty cash से 2000 नगद चुकाये।

Printing & stationary a/c Dr 200

To Petty cash a/c 200

----

(5) – 01-04-2024 varun Trader's को 5000रू SBI के cheque no 123456 द्वारा भुगतान किया

Varun Trader's a/c Dr 5000

To SBI a/c 5000

(Paid TO creditor by cheque no. 123456)

----

(6) – Staff Salary 4000Rs UBI bank के cheque no 123457 के भुगतान किया

Staff salary a/c Dr. 4000

To UBI a/c4000 4000

(Paid by UBI cheque no 123457)

- **F6 (Receipt):- व्यापार के ऐसे लेन.देन जिनके द्वारा व्यापार में cash आता है। या Bank में Deposit होता है। ऐसे लेनदेनों की voucher entry F6 में की जाती है।**

जैसे :-

(1) - 01–04–2024 को प्रियंका ने प्रियंका मोबाइन स्टोर नाम से 100000 रू नगद लगाकर व्यापार start किया

Cash a/c	Dr.	100000	
To Capital a/c			100000

(Business Started)

----

(2) – 01-04-2024 अपने मित्र धीरेष से 20,000 नगद लोन प्राप्त किया

Cash a/c	Dr.	20000	
To Dheeresh's loan a/c			20000

----

(4) – Pratik Trader's से हमे 10000 रू माल भेजने के लिए advance में मिला।

Cash a/c Dr. 10000

To Pratik Trader's 10000

----

(5) – 01-04-2024 को 1000रू नगद कमीषन प्राप्त हुआ।

Cash a/c Dr. 1000

To Commission Rec. a/c
1000

----

(6) – 01-04-2024 को एक Customer Gangvar Marketing ने हमारे SBI bank a/c में Direct 10000 रू जमा करके अपने पुराने बिल का भुगतान किया

SBI a/c Dr. 10000

To Gangvas Marketing 10000

(Direct Deposit into SBI Account by Debtor)

----

(7). 01-04-2024 को हमारे costomer Rachit से 5000रू का HDFC bank का cheque no 224466 को प्राप्त हुआ जिसे उसी दिन प्रियंका ने अपने व्यापार के लिए SBI bank में Deposit करा दिया।

SBI a/c Dr. 5000

To Rachit a/c 5000

(Cheque received by Rachit and Deposit SBI Bank)

----

(8) – 01-04-2024 को SBI bank से 500रू का ब्याज मिला

SBI a/c Dr. 500

To Bank Interest 500

(Bank Interest Credited by SBI)

----

(9). 01-04-2024 को 5000रू का कम्प्यूटर नगद बेंचा

Cash a/c Dr. 5000

To computer 5000

(Sold old computer)

- **F9-(PURCHASE):- व्यापार के ऐसे लेन.देन जिनके द्वारा व्यापार में उधार या नकद माल खरीदा जाता है तो ऐसे लेनदेनों की voucher entry tally में F9 में की जाती है।**

जैसे :- 01/05/2024 को heera Telecom satna से 30000 रुपये का माल उधार खरीदा !

Purchase A/C Dr. 30000

To heera Telecom 30000

(credit purchase)

- **01/05/2024 को 20000 रुपये का माल नकद खरीदा**

Purchase A/C Dr. 30000

To Cash A/C 30000

(cash purchase)

- **01/05/2024 को Ahuja Mobil Shop मुम्बई से 50000 रुपये का माल खरीदा भुगतान में Sbi का चेक no.123468 दिया !**

Purchase A/C Dr. 30000

To sbi A/C 30000

(cheque no.123468)

- **F8-(Sales):- व्यापार के ऐसे लेन.देन जिनके द्वारा उधार या नकद माल बेचा जाता है तो ऐसे लेनदेनों की voucher entry tally में F8 में की जाती है।**

जैसे :- 02/05/2024 को Richa Store satna को 250000 रुपये का माल उधार उधार बेचा !

Richa Store A/C Dr. 250000

To Sales A/C 25000

(credit sales)

- **02/05/2024 को 500000 रुपये का माल नकद बेचा**

Cash A/C Dr. 50000

To sales A/C 50000

(cash purchase)

- **01/05/2024 को मोहन को से 20000 रुपये का माल बेचा भुगतान में उसने hdfc bank का चेक no.223344 दिया जिसे उसी दिन अपने sbi bank में जमा करा दिया !**

Sbi A/C Dr. 30000

To Sales A/C 30000

(cheque no.223344)

- **F7-(Journal):- ऐसे लेनदेनों की voucher entry Tally में F7 में की जाती है जो उपरोक्त किसी भी voucher में नहीं आते !**

- जैसे :- 01/06/2024 को Adarsh Furniture Mart satna से 10000 रुपये का उधार फर्नीचर खरीदा

Furniture A/C Dr. 10000

To Adarsh Furniture Mart A/C 10000

(Credit Assets purchased)

- **01/06/2024 को 500 रुपये Repairing expenses के देने बाकी हैं**

Repair Maintenance A/C Dr. 500

To out Standing Repair Maintenance A/C 50000

(unpaid for Repair)

- **01/06/2024 को मोहन को से 20000 रुपये का माल बेचा भुगतान में उसने hdfc bank का चेक no.223344 दिया जिसे उसी दिन अपने sbi bank में जमा करा दिया !**

Sbi A/C Dr. 30000

To Sales A/C 30000

(cheque no.223344)

Report:-

Got-----Day book

Got-------Display-------Account Books------------Ledger

Got-------Display-------Trial Balance

Got-------Display-------Satement of Accounts------------outstanding--------/Receivable/Payble

Got-------Display-------Profit and Loss a/c

Got-------Display-------Balnace-Sheet

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
इंदिरा गाँधी